जुलाई-सितंबर GDP: 8% के करीब रहने की उम्मीद, आंकड़े 30 नवंबर को



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

जुलाई-सितंबर 2026 (वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही) के GDP (सकल घरेलू उत्पाद - किसी देश में एक अवधि में बने सभी वस्तुओं और सेवाओं का कुल मौद्रिक मूल्य) के सरकारी आंकड़े 30 नवंबर को आएँगे। इससे पहले प्रमुख बैंकों और अर्थशास्त्रियों के अनुमान आने लगे हैं और अधिकांश वृद्धि को 7.5 से 8 प्रतिशत के बीच रख रहे हैं। पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026) में वास्तविक GDP वृद्धि 7.8 प्रतिशत रही थी, जो RBI (भारतीय रिज़र्व बैंक) के 7 प्रतिशत के पूर्वानुमान से काफी ऊपर थी।

किसने कितना अनुमान लगाया

आधिकारिक अनुमान: RBI ने अक्टूबर 2026 की मौद्रिक नीति समीक्षा में दूसरी तिमाही की वृद्धि 7.2 प्रतिशत और पूरे वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 7.1 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। वित्त मंत्रालय की मासिक आर्थिक समीक्षा (Monthly Economic Review) ने दूसरी तिमाही के लिए 7.35 प्रतिशत का अनुमान दिया है।

निजी अनुमान: SBI का सांख्यिकीय मॉडल (54 उच्च-आवृत्ति संकेतकों पर आधारित) 7.8 प्रतिशत, HSBC करीब 7.5 प्रतिशत, ICICI सिक्योरिटीज़ प्राइमरी डीलरशिप 7.5-8.0 प्रतिशत, BofA सिक्योरिटीज़ 7.7 प्रतिशत और IDFC फर्स्ट बैंक 8 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान रखता है। ध्यान रहे, जुलाई-सितंबर 2025 से शुरू हुई चार तिमाहियों में वृद्धि का औसत 8.1 प्रतिशत रहा है।

विनिर्माण की मजबूती

IIP के संकेत: औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP - खनन, विनिर्माण और बिजली के उत्पादन से मापा जाने वाला औद्योगिक गतिविधि का सूचकांक) की वृद्धि जुलाई-सितंबर 2026 में औसतन 7.3 प्रतिशत रही, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 5.4 प्रतिशत और अप्रैल-जून 2026 में 6.2 प्रतिशत थी।

विनिर्माण: IIP के भीतर विनिर्माण की वृद्धि जुलाई-सितंबर 2026 में 8.1 प्रतिशत रही, जबकि अप्रैल-जून 2026 में 6.9 प्रतिशत और जुलाई-सितंबर 2025 में 4.7 प्रतिशत थी। पहली तिमाही के GDP आंकड़ों में विनिर्माण क्षेत्र ने 9.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की थी। सूचीबद्ध कंपनियों के लाभ और कर-संग्रह के आंकड़े भी बिक्री की मजबूती की पुष्टि करते हैं।

कमजोरी के संकेत

कृषि: कमजोर मानसून के कारण कृषि वृद्धि पहली तिमाही के 3.6 प्रतिशत से घटने की उम्मीद है; अनुमान शून्य से 2.8 प्रतिशत के बीच हैं। जुलाई-सितंबर में घरेलू ट्रैक्टर बिक्री 3 प्रतिशत घटी।

ग्रामीण माँग: वास्तविक ग्रामीण मजदूरी में गिरावट और कम मिट्टी-नमी व कमजोर जलाशय-स्तर से रबी बुवाई पर असर - ग्रामीण माँग के लिए चुनौती। RBI की ब्याज-वृद्धि (अक्टूबर 2026 में लगभग चार वर्षों में पहली बार रेपो दर बढ़ी) से भी आगे वृद्धि पर दबाव संभव है।

दूसरी छमाही का अनुमान: SBI का मॉडल अक्टूबर-दिसंबर 2026 और जनवरी-मार्च 2027 में वृद्धि 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान रखता है; यानी मोमेंटम में कुछ ढिलाई की उम्मीद है।

मौद्रिक नीति का संदर्भ

RBI की मौद्रिक नीति समिति (MPC) ने अक्टूबर 2026 में रेपो दर (वह दर जिस पर RBI बैंकों को उधार देता है) 25 आधार अंक बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत कर दी और नीति रुख बदलकर 'कैलिब्रेटेड टाइटनिंग' (यानी आगे या तो दर-वृद्धि या ठहराव, कटौती की गुंजाइश नहीं) कर दिया। अक्टूबर 2026 में खुदरा महंगाई (CPI) 6.09 प्रतिशत रहकर दो साल में पहली बार RBI की सहनशीलता सीमा के ऊपरी छोर (6 प्रतिशत) से ऊपर चली गई; इसलिए 4 दिसंबर की MPC बैठक में एक और दर-वृद्धि की अटकलें हैं। RBI ने 2026-27 के लिए CPI महंगाई 5.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. भारतीय रिज़र्व बैंक की अक्टूबर 2026 की मौद्रिक नीति समीक्षा के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: MPC ने रेपो दर 25 आधार अंक बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत कर दी

कथन 2: RBI ने वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही के लिए वास्तविक GDP वृद्धि का अनुमान 7.2 प्रतिशत लगाया है

कथन 3: MPC ने नीति रुख बदलकर 'तटस्थ' कर दिया

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर और व्याख्या

सही उत्तर: (a)
कथन 1 सही है - MPC ने सर्वसम्मति से रेपो दर 25 आधार अंक बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत की।
कथन 2 सही है - RBI ने दूसरी तिमाही की वृद्धि 7.2 प्रतिशत और वर्ष 2026-27 के लिए 7.1 प्रतिशत का अनुमान लगाया है।
कथन 3 गलत है - नीति रुख 'कैलिब्रेटेड टाइटनिंग' किया गया, 'तटस्थ' नहीं; दो सदस्यों ने तटस्थ रुख पर रहने की राय दी थी।

प्रश्न 2. जुलाई-सितंबर 2026 तिमाही के आर्थिक संकेतकों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I: इस तिमाही में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) की वृद्धि औसतन 7.3 प्रतिशत रही

कथन-II: इस तिमाही में घरेलू ट्रैक्टर बिक्री में वृद्धि दर्ज हुई

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा एक सही है?

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या करता है
(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं, परंतु कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं करता
(c) कथन-I सही है, परंतु कथन-II गलत है
(d) कथन-I गलत है, परंतु कथन-II सही है

उत्तर और व्याख्या

सही उत्तर: (c)
कथन-I सही है - जुलाई-सितंबर 2026 में IIP वृद्धि औसतन 7.3 प्रतिशत रही; विनिर्माण 8.1 प्रतिशत रहा।
कथन-II गलत है - ट्रैक्टर एवं मैकेनाइज़ेशन एसोसिएशन के आंकड़ों के अनुसार इस तिमाही में घरेलू ट्रैक्टर बिक्री 3 प्रतिशत घटी, जो ग्रामीण गतिविधि की

कमजोरी का संकेत है।

स्रोत:
1. RBI मौद्रिक नीति समिति संकल्प (अक्टूबर 2026): www.rbi.org.in
2. समाचार-रिपोर्ट (16 नवंबर 2026): indianexpress.com

संबंधित लेख (आंतरिक लिंक):
- पहली तिमाही में 7.8% GDP वृद्धि - pcsmantra.com
- अक्टूबर में खुदरा महंगाई 6.09% - pcsmantra.com

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

संक्षिप्त उत्तर: जुलाई-सितंबर 2026 (वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही) की GDP वृद्धि अधिकांश अनुमानों में 7.5 से 8 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है; सरकारी आंकड़े 30 नवंबर 2026 को जारी होंगे। RBI का अनुमान 7.2 प्रतिशत और वित्त मंत्रालय का 7.35 प्रतिशत है।

प्रश्न: जुलाई-सितंबर 2026 तिमाही के GDP के सरकारी आंकड़े कब आएँगे?

उत्तर: 30 नवंबर 2026 को। उससे पहले बैंकों और अर्थशास्त्रियों के अनुमान आ चुके हैं, जो वृद्धि को मोटे तौर पर 7.5 से 8 प्रतिशत के बीच रख रहे हैं।

प्रश्न: RBI और वित्त मंत्रालय ने दूसरी तिमाही के लिए कितनी वृद्धि का अनुमान लगाया है?

उत्तर: RBI ने अक्टूबर 2026 की मौद्रिक नीति समीक्षा में दूसरी तिमाही की वृद्धि 7.2 प्रतिशत और पूरे वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 7.1 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है; वित्त मंत्रालय की मासिक आर्थिक समीक्षा ने 7.35 प्रतिशत का अनुमान दिया है।

प्रश्न: प्रमुख निजी संस्थानों के अनुमान क्या हैं?

उत्तर: SBI का सांख्यिकीय मॉडल (54 उच्च-आवृत्ति संकेतकों पर आधारित) 7.8 प्रतिशत, HSBC करीब 7.5 प्रतिशत, ICICI सिक्योरिटीज़ प्राइमरी डीलरशिप 7.5-8.0 प्रतिशत, BofA सिक्योरिटीज़ 7.7 प्रतिशत और IDFC फर्स्ट बैंक 8 प्रतिशत।

प्रश्न: पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026) में वास्तविक GDP वृद्धि कितनी रही थी?

उत्तर: 7.8 प्रतिशत, जो RBI के 7 प्रतिशत के पूर्वानुमान से काफी ऊपर थी। जुलाई-सितंबर 2025 से शुरू हुई चार तिमाहियों में वृद्धि का औसत 8.1 प्रतिशत रहा है।